Download Jhulelal Ki Aarti Sindhi

ॐ जय दूलह देवा, साईं जय दूलह देवा । पूजा कनि था प्रेमी,
सिदुक रखी सेवा ॥
ॐ जय दूलह देवा...
तुहिंजे दर दे केई, सजण अचनि सवाली । दान वठन सभु
दिलि,सां कोन दिठुभ खाली ॥
ॐ जय दूलह देवा...
अंधड़नि खे दिनव, अखडियूँ – दुखियनि खे दारुं । पाए मन जूं
मुरादूं, सेवक कनि थारू ॥
ॐ जय दूलह देवा...
फल फूलमेवा सब्जिऊ, पोखनि मंझि पचिन । तुहिजे महिर
मयासा अन्न, बि आपर अपार थियनी ॥
ॐ जय दूलह देवा...
ज्योति जगे थी जगु में, लाल तुहिंजी लाली । अमरलाल अचु मूं
वटी, हे विश्व संदा वाली ॥
ॐ जय दूलह देवा...
जगु जा जीव सभेई, पाणिअ बिन प्यास । जेठानंद आनंद कर,
पूरन करियो आशा ॥
ॐ जय दूलह देवा...
ॐ जय दूलह देवा, साईं जय दूलह देवा । पूजा कनि था प्रेमी,
सिदुक रखी सेवा ॥
ॐ जय दूलह देवा... ॥
इति श्री झूलेलाल आरती संपूर्णम् ॥